Sl. No. :

MHNSC-4.1

Total No. of Pages : 2

Fourth Semester M.A. Degree Examination, November - 2024

(SLM Scheme) (CBCS)

हिन्दी (HINDI)

Course - III : Streevadi Sahithya

प्रश्न पत्र – III : स्त्रीवादी साहित्य

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[4 × 5 = 20]**

1) ''दरअसल तुम्हें इतनी खुली छूट देने की गलती मेरी ही थी । मुझे पहले ही चिडिया के पंख काट डालने चाहिए था।''

2) ''नहीं, तुम काम नहीं करतीं । पैसा कमाना अब तुम्हारी हवस है ।''

3) ''दाऊद खाँ, इससे अच्छा वक्त देखने के लिए क्या मै ज़िंदा रहूँगी ।''

4) ''सभी खर्च तो वाजिब–वाजिब है, किसका पेट काटूँ? यही जोड–गाँठ करते – करते बूढी हो गयी, न मन का पहना, न ओढ़ा ।

5) ''नगर – नगर, डगर डगर
उनके फडे शब्द
कहे जाने लगे
आम आदमी
बनने लगा कवि ।''

6) ''संगठित हुए सदियों से शोषित लोग
संगठित हुए पसीने से पोषित लोग
संगठित हुए मशीनों से भिडते लोग
संगठित हुए भीडों सा हैंकते लोग
एक हुए एक हुए एक हुए सब लोग ।''

SECTION - B

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [3 × 10 = 30]

7) कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'वापसी' कहानी का विश्लेषण कीजिए ।

8) सिद्ध कीजिए कि 'सिक्का बदल गया' कहानी देश विभाजन का मार्मिक दस्तावेज है ।

9) रमणिका गुप्ता का साहित्यिक परिचय देते हुए, 'छैनी की झांझर छनकी' कविता का सार लिखिए ।

10) 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में चित्रित 'प्रिया' 'आधुनिक नारी शक्ति की पहचान बनकर उभरी हैं' इस कथन का समर्थन कीजिए ।

11) हिन्दी साहित्य में 'स्वातंत्र्योत्तर स्त्री लेखन परंपरा' पर चर्चा कीजिए ।

SECTION - C

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [2 × 15 = 30]

12) महिला लेखन और नारीवाद चिंतन के विविध पहलुओं पर एक लेख लिखिए ।

13) स्त्री मुक्ति आंदोलन और स्त्रीवाद पर विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।

14) 'छिन्नमस्ता उपन्यास की कत्थगत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए ।

15) रमणिका गुप्ता की 'विज्ञापन बनता कवि', 'आकार लेती लकीरें' कविताओं की मूल संवेदना पर प्रकाश डालते हुए, कवयित्रि का आशय स्पष्ट कीजिए ।

♦ ♦ ♦